



परियोजना का नाम :- जनपद चम्पावत में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत किमतोली से कोट मोटर मार्ग में स्टेज-1 के नवनिर्माण में आने वाली सिविल सोयम भूमि 1.995 हे० (पूर्व में 4.925 हे०), के सम्बन्ध में।


## औचित्य

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (सिंचाई खण्ड), चम्पावत के अन्तर्गत किमतोली से कोट मोटर मार्ग (7.50 कि०मी०) स्टेज-1 के नवनिर्माण में आने वाली सिविल सोयम भूमि 1.995 हे० (पूर्व में 4.925 हे०), हेतु प्रस्तावित है, जिसकी ऑनलाईन प्रस्ताव सं०- FP/UK/ROAD/25477/2017 है। भारत सरकार, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के क्षेत्रीय कार्यालय (उत्तर केन्द्रीय क्षेत्र) 25, सुभाष रोड, देहरादून के दिनांक 25.10.2019 एवं दिनांक 14.01.2020 के पत्रांकों द्वारा कोट से पेडूसेरा के मध्य प्रस्तावित मार्ग के प्रस्ताव में आपत्ति लगाते हुए अमान्य करा दिया है, इसी क्रम में किमतोली से कोट मोटर मार्ग के प्रस्ताव को पुनः प्रस्तावित किया जा रहा है। इस हेतु 0.000 कि०मी० से 7.50 कि०मी० ग्राम सभा कोट तक ही संयुक्त निरीक्षण किया गया एवं प्रभावित वृक्षों की सं० शून्य है एवं प्रस्ताव के परिवर्तित प्रपत्रों को पुनः अपलोड कर दिया गया है।

अतः किमतोली से कोट तक मोटर मार्ग स्टेज-1 के अन्तर्गत कोट तक ही निर्माण कार्य कराया जायेगा, जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी विभाग की होगी। मोटर मार्ग में कि०मी० 0.000 से 7.50 कि०मी० तक सिविल सोयम भूमि में कोई भी वृक्ष प्रभावित नहीं हो रहे हैं एवं कि०मी० 7.50 तक ही मार्ग का अन्तिम बिन्दु माना जायेगा। 7.50 कि०मी० से आगे पूर्व स्वीकृत समरेखण के अन्तिम बिन्दु तक कुल 202 वृक्ष प्रभावित नहीं होंगे।

  
सहायक अभियन्ता,  
सहायक अभियन्ता  
सि०ख०, लो०सि०वि०, चम्पावत।  
चम्पावत

  
सहायक अभियन्ता,  
सहायक अभियन्ता  
सि०ख०, लो०सि०वि०, चम्पावत।  
चम्पावत

  
अधिशाली अभियन्ता,  
अधिशाली अभियन्ता  
सि०ख०, लो०सि०वि०, चम्पावत।  
चम्पावत


## Justification for locating the project in forest area


Presently the villagers of Kot with the population 274 have to walk through a distance of 5 to 10 Km. To meet their daily needs, as there is no road connecting the village due to the non existent of any road connectivity the lives of the villagers are in constant danger as there are no medical services which could be provided to them even in case of emergency such as maternity.


Further due to non-existent of the road connectivity the area remains backward in all respects the main occupation of the villagers residing in the village is animal husbandry and agriculture. The villagers are forced to carry their cultivated crop such as haldi, adrak, mirchi, lahsun, dhan, genhu, aloo etc. On their foot or by bulls to the nearby market.

If the road connectivity is provided to the villagers, it shall enhance the social and economical development of this area and migration of the people from the village shall be minimized. The forest land area falling in the proposed alignment of the road which is 1.995 hect. Has been served to the minimum of trees felling. Other than the proposed alignment for the road. There is no such alignment which shall reduce the diversion of forest area or felling of trees. Forest land is required for this road as proper gradient was not being achieved through Nap/Civil land. The overall width proposed for acquiring of the land is 7.00 m and the construction of the road shall be carried out in a width of 6.00 m in straight reaches. The geological investigation along the proposed alignment has been carried out which also states that proposed alignment for the road is safe for construction. There are no graveyards, religious, historical/monumental or legendary places falling in proposed alignment of the road.

In view of the above facts and in public interest, it is requested that the forest land area of 1.995 hect. may kindly be diverted for the construction of the road.

  
सहायक अभियन्ता  
सिंख०, लो०नि०वि०, चम्पावत

  
अधिशाली अभियन्ता  
सिंचाई खण्ड (लो०नि०वि०)  
चम्पावत

  
प्रजातीय वनाधिकारी  
चम्पावत वन प्रभाग चम्पावत